



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 166] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 20, 1977/वैशाख 30, 1899

No. 166] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 20, 1977/VAISAKHA 30, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATIONS

CUSTOMS

New Delhi the 20th May 1977

G.S.R. 245(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 32 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts petroleum falling within chapter 15 of the First Schedule to the Customs Tariff Act (51 of 1975), when imported into India from —

- (a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule as is in excess of 20 per cent *ad valorem*, and
- (b) the whole of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of section 32 of the said Finance Act

[No 62/F No. 355/107/77-Cus.I]

राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचनाएं

सीमा-शुल्क

नई दिल्ली, 20 मई, 1977

सा० का० नि० 245 (घ) —केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 32 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 15 के अन्तर्गत सम्मिलित ताड़ की गिरी के तेल को, जब उसका आयात भारत में किया जाए —

(क) उस पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क के उतने भाग में, जो उक्त प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट है और जो मूल्य के 20 प्रतिशत में अधिक है, और

(ख) उक्त वित्त अधिनियम की धारा 32 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सहायक सीमा-शुल्क से,

छूट देती है ।

[सं० 62 फा० सं० 355 107/77-सी० शु०-1]

G.S.R. 246(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 32 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts coconut oil falling within chapter 15 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India from —

(a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule as is in excess of 30 per cent *ad valorem*; and

(b) the whole of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of section 32 of the said Finance Act

[No 63/F. No 355/107/77-Cus I]

सा० का० नि० 246 (घ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 32 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 15 के अन्तर्गत सम्मिलित ताड़ियल के तेल को, जब उसका आयात भारत में किया जाए —

(क) उस पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क के उतने भाग में, जो उक्त प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट है और जो मूल्य के 30 प्रतिशत में अधिक है; और

(ख) उक्त वित्त अधिनियम की धारा 32 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमा-शुल्क से,

छूट देती है ।

[सं० 63 फा० सं० 355 107/77-सी० शु०-1]

G.S.R. 247(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 32 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking (Revenue Wing) No 25-Customs, dated 8th February, 1977, namely —

In the said notification, paragraph 2 shall be omitted.

[No. 64/F. No 355/38/77-Cus.I]

सा० का० नि० 247(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 32 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समा-हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग (राजस्व पक्ष) की अधिसूचना सं० 25-सीमाशुल्क तारीख 8 फरवरी, 1977 में निम्नलिखित संशोधन और करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में से पैरा 2 को लोप किया जाएगा।

[सं० 64 फा० सं० 355/38/77-सी० शु०-I]

G.S.R. 248(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 32 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts any dumper falling within Chapter 87 of the First Schedule to the Customs Tariff Act 1975 (51 of 1975)—

(a) of which the net weight (excluding pay-load) is more than eight tonnes and which is designed for a pay-load of ten tonnes or more, and

(b) which is designed for use off the high way,

from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule as is in excess of 40 per cent *ad valorem* and the whole of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of section 32 of the said Finance Act.

[No 66/F No 355/182/77-Cus I]

M. JAYARAMAN, Under Secy

सा० का० नि० 248 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 32 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 87 के अन्तर्गत सम्मिलित डम्पर को,

(क) जिसका शुद्ध भार (अर्जक भार को छोड़ कर) आठ टन से अधिक है और जो दस टन से अधिक अर्जक भार के लिए बनाया गया है; और

(ख) जो राजमार्ग से अलग उपयोग के लिए बनाया गया है,

उक्त प्रथम अनुसूची के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क के उतने भाग से जो मूल्य के 40 प्रतिशत से अधिक है और उक्त वित्त अधिनियम की धारा 32 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण अतिरिक्त सीमा-शुल्क से छूट देती है ।

[सं० 66/फा० स० 355/182/77-सी०शु०-I]

एम० जयरामन, अव्वर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977